

1

---

---

---

---

---

---

---

---



2

---

---

---

---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---

---

---

---

**Response to Kingdom Now Problem Passages**

1. Passages from Christ's ministry
2. Passages from Acts
- 3. Passages from Paul**
4. Passages from the General letters
5. Passages from Revelation
6. Miscellaneous Arguments



4

---

---

---

---

---

---

---

---

**3. Passages from Paul's Writings**

- a. Walk worthy of the kingdom (1 Thess. 2:12)
- b. Kingdom power (1 Cor. 4:20)
- c. He must reign until... (1 Cor. 15:23-28)
- d. Kingdom is not eating & drinking (Rom. 14:17)**
- e. King of Kings & Lord of Lords (1 Tim. 6:15)
- f. Transferred into the Kingdom (Col 1:13)
- g. Fellow workers for the Kingdom (Col. 4:11)



5

---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 14:17**

**"for the kingdom of God is [*estin*] not eating and drinking, but righteousness and peace and joy in the Holy Spirit."**




6

---

---

---

---

---

---

---

---

**Two Issues**  
(Romans 14:17)

- A. The kingdom is spiritual only and not earthly
- B. The kingdom is a present reality



7

---

---

---


---

---

---

---

---



**George Eldon Ladd**  
George Ladd, *The Gospel of the Kingdom* (Grand Rapids: Eerdmans, 1959), 16–18.

**“The Word of God *does* say that the Kingdom of God is a present spiritual reality. ‘For the kingdom of God is not eating and drinking but righteousness and peace and joy in the Holy Spirit’ (Rom. 14:17). Righteousness and peace and joy are fruits of the Spirit which God bestows now upon those who yield their lives to the rule of the Spirit. They have to do with the deepest springs of the spiritual life, and this, says the inspired apostle, is the Kingdom of God. . . . The Kingdom is a present reality. . . . It is an inner spiritual redemptive blessing (Rom. 14:17) which can be experienced only by way of the new birth.”**

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**Two Issues**  
(Romans 14:17)

- A. The kingdom is spiritual only and not earthly
- B. The kingdom is a present reality



9

---

---

---

---

---

---

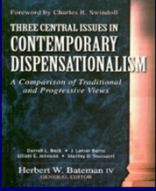

---

---

**Stanley D. Toussaint**

"Israel and the Church of a Traditional Dispensationalist," in Three Central Issues in Contemporary Dispensationalism, ed. Herbert W. Bateman (Grand Rapids: Kregel, 1999), 246.

"It was common for the Jews to say 'not . . . but' and simply mean that the emphasis is not this but that."

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**Matthew 8:11**

"I say to you that many will come from east and west, and recline at the table with Abraham, Isaac and Jacob in the kingdom of heaven."




11

---

---

---

---

---

---

---

---

**Matthew 26:29**

"But I say to you, I will not drink of this fruit of the vine from now on until that day when I drink it new with you in My Father's kingdom."




12

---

---

---

---

---


---

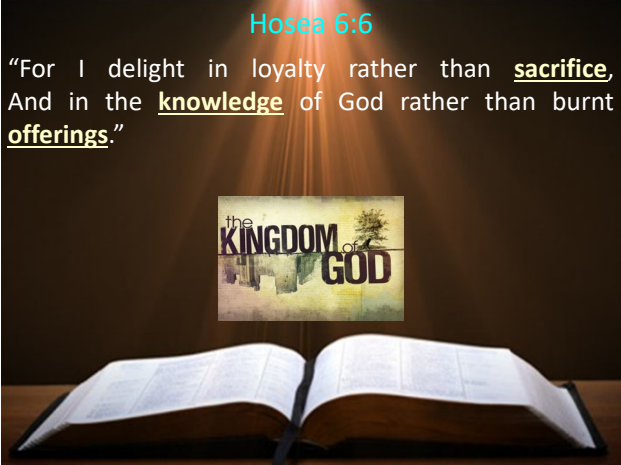
---

---

Hosea 6:6

“For I delight in loyalty rather than sacrifice,  
And in the knowledge of God rather than burnt offerings.”





13

---

---

---

---

---


---

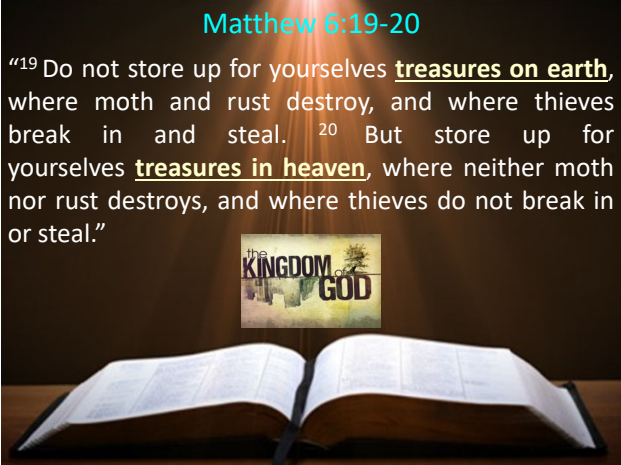
---

---

Matthew 6:19-20

“<sup>19</sup> Do not store up for yourselves treasures on earth, where moth and rust destroy, and where thieves break in and steal. <sup>20</sup> But store up for yourselves treasures in heaven, where neither moth nor rust destroys, and where thieves do not break in or steal.”





14

---

---

---

---

---

---

---

---

1 Peter 3:3-4

“<sup>3</sup> Your adornment must not be *merely* external—braiding the hair, and wearing gold jewelry, or putting on dresses; <sup>4</sup> but *let it be* the hidden person of the heart, with the imperishable quality of a gentle and quiet spirit, which is precious in the sight of God.”





15

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Corinthians 4:20**

“For the kingdom of God does not consist in words but in power.”



16

---

---

---

---

---

---

---

---

**Zechariah 8:23**

Thus says the LORD of hosts, “In those days ten men from all the nations will grasp the garment of a Jew, saying, ‘Let us go with you, for we have heard that God is with you.’”



17

---

---

---

---

---

---

---

---

**Zephaniah 3:9**

“For then I will give to the peoples purified lips, That all of them may call on the name of the LORD, To serve Him shoulder to shoulder.”



18

---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 14:17**

**"for the kingdom of God is [estin] not eating and drinking, but righteousness and peace and joy in the Holy Spirit."**



19

---

---

---

---

---

---

---

---

**Stanley D. Toussaint**

"Israel and the Church of a Traditional Dispensationalist," in Three Central Issues in Contemporary Dispensationalism, ed. Herbert W. Bateman (Grand Rapids: Kregel, 1999), 246.

**"in that coming kingdom the emphasis will not be on food but on spiritual realities."**



20

---

---

---

---

---

---

---

---

**Two Issues**  
(Romans 14:17)

**A. The kingdom is spiritual only and not earthly**

**B. The kingdom is a present reality**



21

---

---

---

---

---

---

---

---



22

---

---

---

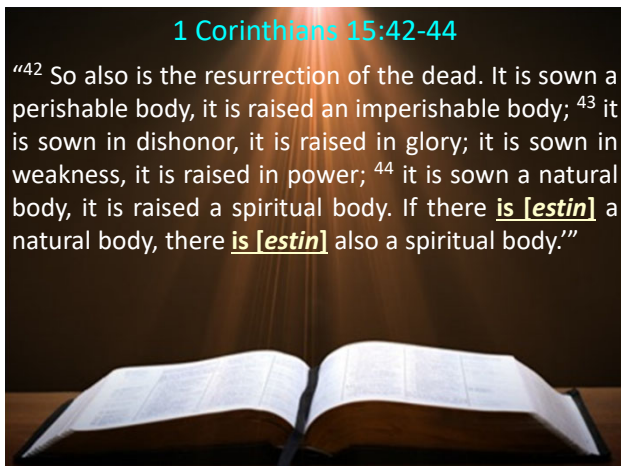
---

---

---

---

---



23

---

---

---

---

---

---

---

---



24

---

---

---

---

---

---

---

---





25

---

---

---

---

---

---

---

---



26

---

---

---

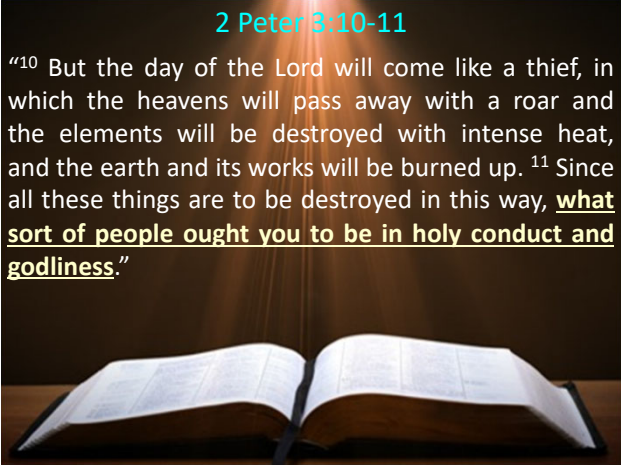
---

---

---

---

---



27

---

---

---

---

---

---

---

---

**Stanley D. Toussaint**

"Israel and the Church of a Traditional Dispensationalist," in Three Central Issues in Contemporary Dispensationalism, ed. Herbert W. Bateman (Grand Rapids: Kregel, 1999), 246.

"In that coming kingdom the emphasis will not be on food but on spiritual realities. If that will be true in the future, the Christian's present conduct should reflect it. The future does influence the present (cf. 2 Peter 3:11)."




28

---

---

---

---

---


---

---

---

---

---



**Alva J. McClain**

Alva J. McClain, The Greatness of the Kingdom: An Inductive Study of the Kingdom of God as Set Forth in the Scriptures (Grand Rapids: Zondervan, 1959), 434.

"The thought here fits a *future* Kingdom better than a present one. For surely in the present life no one can deny the importance of meat and drink; but so far as the Church is concerned in the future kingdom these things will be of no consequence. Therefore since the church is to reign in the Kingdom, its members should not judge or grieve one another in such matters here and now (cf. vss. 13–21). All disputes of this nature should be left for the 'judgment seat of Christ,' which will inaugurate His Kingdom upon the earth (vs. 10)."

29

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Two Issues**  
(Romans 14:17)

- A. The kingdom is spiritual only and not earthly
- B. The kingdom is a present reality



30

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**3. Passages from Paul's Writings** 

- a. Walk worthy of the kingdom (1 Thess. 2:12)
- b. Kingdom power (1 Cor. 4:20)
- c. He must reign until... (1 Cor. 15:23-28)
- d. Kingdom is not eating & drinking (Rom. 14:17)
- e. King of Kings & Lord of Lords (1 Tim. 6:15)**
- f. Transferred into the Kingdom (Col 1:13)
- g. Fellow workers for the Kingdom (Col. 4:11)

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Timothy 6:15**

“which He will bring about at the proper time— He who is the blessed and only Sovereign, the King of kings and Lord of lords.”



32

---

---

---

---

---


---

---

---

**Two Issues**  
(1 Timothy 6:15)

- A. Career of David
- B. Context of 1 Timothy 6:15



33

---

---

---

---

---

---


---

---

**Two Issues**  
(1 Timothy 6:15)

**A. Career of David**

**B. Context of 1 Timothy 6:15**



34

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Samuel 16:13-14**

“<sup>13</sup> Then Samuel took the horn of oil and anointed him in the midst of his brothers; and **the Spirit** of the LORD came mightily **upon** David from that day forward. And Samuel arose and went to Ramah. <sup>14</sup> Now **the Spirit** of the Lord **departed** from Saul, and an evil spirit from the LORD terrorized him.”



35

---

---

---

---

---

---

---

---

Parallels	Davidic	Jesus
Anointing:	<b>1 Sam. 16</b>	<b>Acts 2:33-35</b>
Inauguration:	<b>2 Sam. 5</b>	<b>Matt. 25:31</b>
Usurper:	<b>Saul</b>	<b>Satan</b>
Interim:	<b>1 Sam. 24; 26</b>	<b>1 John 5:19</b>
Choice (sight v. faith):	<b>Saul v. David</b>	<b>Satan v. Jesus</b>
Majority v. Minority	<b>David's Men (giborim)</b>	<b>Matt. 7:13-14</b>

36

---

---

---

---

---

---

---

---

### Satan as Ruler of this World

- Job 1:7; 2:2
- Luke 4:5-7
- John 12:31; 14:30; 16:11
- 2 Corinthians 4:4
- Ephesians 2:2
- 1 John 4:4; 5:19



37

---

---

---

---

---

---

---

---



### Names & Titles Demonstrating Satan's Post-Fall, Earthly Authority

(Job 1:7; 2:2; Luke 4:5-8; Rom. 8:19-22)

- Prince of this world (John 12:31; 14:30; 16:11)
- God of this age (2 Cor. 4:4)
- Prince and power of the air (Eph. 2:2)
- Who the believer wrestles with (Eph. 6:12)
- Roaring lion (1 Pet. 5:8)
- Whole world lies in his power (1 John 5:19)

38

---

---

---

---

---

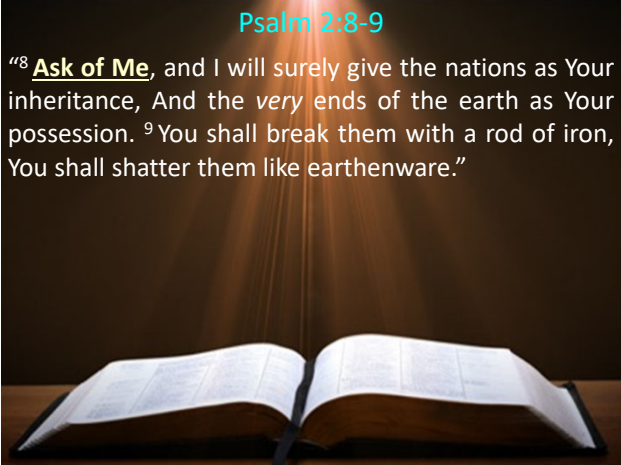
---

---

---

### Psalm 2:8-9

“<sup>8</sup> **Ask of Me**, and I will surely give the nations as Your inheritance, And the *very* ends of the earth as Your possession. <sup>9</sup> You shall break them with a rod of iron, You shall shatter them like earthenware.”



39

---

---

---

---

---

---

---

---



40

---

---

---

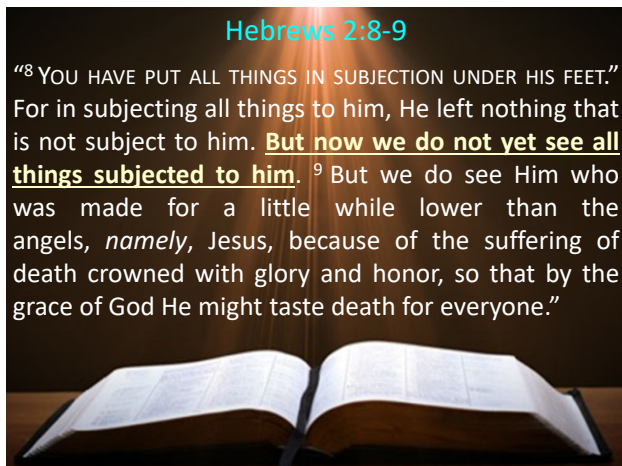
---

---

---

---

---



41

---

---

---

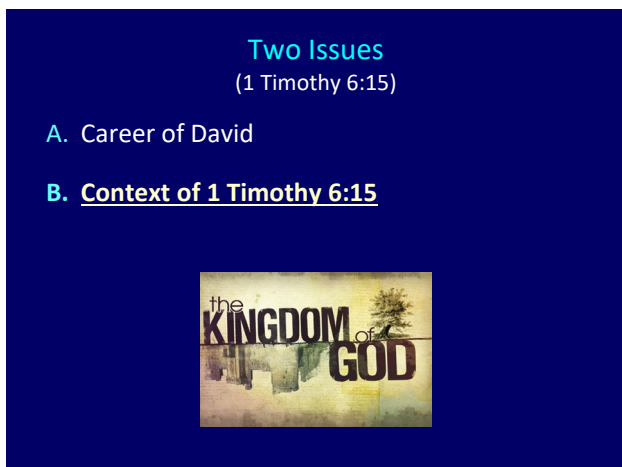
---

---

---

---

---



42

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Timothy 5:14-15**

“<sup>14</sup>that you keep the commandment without stain or reproach until **the appearing of our Lord Jesus Christ**, <sup>15</sup> which He will bring about at **the proper time**—He who is the blessed and only Sovereign, **the King of kings and Lord of lords.**”



43

---

---

---

---

---

---

---

---

**CONCLUSION**

44

---

---

---

---

---

---

---

---

**3. Passages from Paul’s Writings**

- a. Walk worthy of the kingdom (1 Thess. 2:12)
- b. Kingdom power (1 Cor. 4:20)
- c. He must reign until... (1 Cor. 15:23-28)
- d. Kingdom is not eating & drinking (Rom. 14:17)
- e. King of Kings & Lord of Lords (1 Tim. 6:15)
- f. Transferred into the Kingdom (Col 1:13)**
- g. Fellow workers for the Kingdom (Col. 4:11)

45

---

---

---

---

---

---

---

---